Syllabus and Course Scheme

Academic year 2020-21

BA – Sanskrit
Exam.-2021

Helpstudentpoint.com

UNIVERSITY OF KOTA
MBS Marg, Swami Vivekanand Nagar,
Kota - 324 005, Rajasthan, India
Website: uok.ac.in

प्रथम वर्ष संस्कृत – 2021

प्रथम प्रश्न पत्र– पद्य साहित्य, भारतीय संस्कृति के तत्त्व, व्याकरण एवं अलंकार

समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक–100

नोटः– प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दों में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

इकाई 1. रघुवंशम् 'द्वितीय सर्ग'
इकाई 2. कुमारसंभवम् 'पंचम सर्ग'
इकाई 3. भारतीय–संस्कृति के तत्त्व–पृष्ठभूमि, विशेषताएँ, वर्ण एवं आश्रम व्यवस्था, षोड़श संस्कार, पंच महायज्ञ, त्रिविध ऋण, प्राचीन भारत के प्रमुख f" ाक्षा केन्द्र, भारतीय संस्कृति का मानव कल्याण में योगदान।
इकाई 4. व्याकरण – शब्दरूप, धातुरूप
इकाई 5. अलंकार

<u>विस्तृत पाठ्यक्रम्</u>

इकाई 4

शब्दरूप – राम, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, सर्व, तद्, एतद्,
इदम्, अस्मद् तथा युष्मद्।

धातुरूप – (लट्, लोट्, लड्., विधिलिड्. तथा लृट्लकार में) पठ् ,पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, दिव्, तन्, तुद्, चुर्, लभ् तथा सेव् धातु।

इकाई 5

अलंकार – काव्य–दीपिका (अष्टम शिखा)

Helpstudentpoint.com

(भेदोपभेद–रहित निम्नांकित अलंकार) : अनुप्रास, यमक, श्लेष, स्वभावोक्ति, रूपक, उपमा, मालोपमा, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान्, व्यतिरेक, अर्थान्तरन्यास, निदर्शना, अतिशयोक्ति, विभावना, विशेषोक्ति, दीपक, तुल्ययोगिता, अपह्नुति, दृष्टान्त एवं समासोक्ति।

विशेष निर्देश

खण्ड 'ब'

पथम इकाई रघुवंशम् से दो श्लोकों में से एक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या पूछी जाएगी। चतुर्थ इकाई से पाँच शब्द रूप एवं धातु रूप, विशेष विभक्ति एवं पुरुष में पूछे जावेगें। पंचम् इकाई से चार में से दो अलंकारों के लक्षण एवं उदाहरण संस्कृत में देते हुए हिन्दी में स्पष्टीकरण देना है। शेष इकाइयों से संबंधित सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड 'स'

प्र. सं. 12 का अंक–विभाजन निम्न प्रकार होगा –

1. प्रथम इकाई में रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) के 2 श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या । **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में कुमारसम्भवम् (पंचमसर्ग) के 2 श्लोंकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या। **10 अंक**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

सहायक ग्रंथ

1. रघुवंशम् (द्वितीय सर्ग) – कालिदास – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा
2. रघुवंशम् (मल्लिनाथ टीकासहित) – गोपाल रघुनाथ – मोतीलाल
3. रघुवंशम् महाकाव्यम – संस्कृत–हिन्दी व्याख्या सहित डा. जगन्नारायण पाण्डेय
4. कुमारसंभवम् (पंचम सर्ग)
5. कालिदास ग्रंथावली
6. संस्कृत–कवि–दर्शन – पं भोलाशंकर व्यास।
7. कालिदास परिशीलन – डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी,
8. भारत की संस्कृति व साधना – डॉ. रामजी उपाध्याय।
9. भारतीय संस्कृति – प. शिवदत्त ज्ञानी।
10. भारतीय संस्कृति – डॉ. श्रीकृष्ण ओझा।
11. भारतीय संस्कृति – डॉ. प्रीति प्रभा गोयल।
12. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – कान्तिचन्द्र भट्टाचार्य
13. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ रामनारायण झा
14. काव्य दीपिका (अष्टम शिखा) – डॉ य" ावन्त कुमार जो" ाी
15. प्राचीन भारतीय सस्कृति के तत्व – डॉ. यशवन्त कुमार जोशी

Helpstudentpoint.com

द्वितीय प्रश्न पत्र – नाटक, कथा–साहित्य, अनुवाद एवं व्याकरण

समय 3 घण्टे न्यूनतम उत्तीर्णांकः 36 पूर्णांक–100

नोटः – प्रश्न पत्र का निर्माण संस्कृत भाषा में किया जायेगा। 10 प्रतिशत अंक संस्कृत माध्यम से उत्तर प्रस्तुत करने हेतु निर्धारित है। इस प्रश्न पत्र में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तीन खण्डों में विभक्त किया गया है। जिसका विस्तृत विवरण इस प्रकार है –

खण्ड अ– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 02 लघु प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होगें। प्रत्येक लघु प्रश्न का उत्तर लगभग 20 शब्दों में हो। **अंक–10**

खण्ड ब– इस खण्ड में प्रत्येक इकाई से 2 प्रश्न लेते हुए कुल 10 प्रश्न होंगे। प्रत्येक इकाई में से एक प्रश्न का चयन करते हुए कुल 5 प्रश्न करने होंगे। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 250 शब्दा में हो। **अंक–50**

खण्ड स– प्रश्न संख्या 12 करना अनिवार्य है। यह व्याख्यात्मक प्रश्न से सम्बन्धित है। छात्रों को प्रश्न संख्या 13, 14, 15 में से कोई एक प्रश्न करना होगा। प्रश्नों में भाग भी हो सकते हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दा में है। **अंक–40**

इस प्रश्न पत्र का समस्त **पाठ्यक्रम** निम्न प्रकार से पांच इकाईयों में विभाजित होगा –

1. स्वप्नवासवदत्तम् (भासकृत)
2. हितोपदेश (मित्रलाभ)
3. अनुवाद (हिन्दी से संस्कृत)
4. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – संज्ञा एवं सन्धि प्रकरणम् – $(2\times2=4 + 3\times2=6) = 10$ अंक
5. लघु–सिद्धान्त कौमुदी – अजन्त प्रकरण – $(2\frac{1}{2}\times4=10) = 10$ अंक
   (राम, हरि, लता, नदी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की रूप सिद्धि)

विशेष निर्देश

खण्ड – ब

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम् के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग संस्कृत व्याख्या।
2. तृतीय इकाई में से प्रश्न संख्या 6 एवं 7 म पाँच पाँच हिन्दी वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद करना है। प्रश्न सं. 6 तथा 7 में से 1 प्रश्न करना है।
3. इकाई चतुर्थ में संज्ञा प्रकरण पारिभाषिक शब्द, संज्ञा सूत्र और प्रत्याहार विकल्प सहित चार अंको की एवं संधि प्रकरण से 4 में से 2 शब्दों की सूत्र निर्देशपूर्वक रूप सिद्धि 6 अंकों की पूछी जायेगी।

Helpstudentpoint.com

4. पंचम इकाई में अजन्त नामिक प्रकरण में 8 सूत्रों में से 4 सूत्रों की व्याख्या पूछी जायेगी।
5. द्वितीय इकाई से सामान्य प्रश्न प्रष्टव्य है।

खण्ड – स

प्रश्न संख्या 12 का अंक विभाजन इस प्रकार से होगा।

1. प्रथम इकाई में स्वप्नवासवदत्तम के दो श्लोकों में से किसी एक श्लोक की सप्रसङ्ग व्याख्या। **10 अंक**
2. द्वितीय इकाई में हितापदेश (मित्रलाभ) में से दो पद्यों में से एक पद्य की तथा दो गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसङ्ग व्याख्या। 5+5 = **10 अंक**

प्रश्न पत्र निर्माता से अपेक्षा की जाती है कि खण्ड 'स' में प्रश्न संख्या 13, 14 और 15 के निर्माण के समय यथा सम्भव शेष इकाईयों से अंश लेते हुए प्रश्नों की रचना करें।

<u>सहायक ग्रन्थ</u>

1. स्वप्नवासवदत्तम् – जयपाल विद्यालंकार
2. स्वप्नवासवदत्तम् – (संस्कृत हिन्दी व्याख्या) – जगन्नारायण पाण्डेय
3. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. विश्वनाथ शर्मा
4. स्वप्नवासवदत्तम् – डॉ. य" ावन्त कुमार जो" ाी
5. हितोपदेश (मित्रलाभ) – हिन्दी अनुवाद – रामेश्वर भट्ट
6. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. य" ावन्त कुमार जो" ाी
7. हितोपदेश (मित्रलाभ) – डॉ. सुभाष तनेजा वेदालंकार
8. रचनानुवाद कौमुदी – डॉ. कपिल देव द्विवेदी
9. नवनीत – संस्कृत शब्द – धातु रूपावली – राजाराम शास्त्री नाटेकर
10. वृहद्–अनुवाद चंद्रिका – चक्रधर शर्मा, नौटियाल
11. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें – उमाकांत मिश्र
12. स्टूडेंट्स गाइड टू संस्कृत कम्पोजिशन – मूल लेखक – वी.एस. आप्टे
13. लघु सिद्धान्त कौमुदी – डॉ. पुष्करदत्त शर्मा।
14. वृहद् रचनानुवाद कौमुदी – कपिलदेव द्विवेदी
15. लघु सिद्धान्तकौमुदी 'भैमी' व्याख्या– पं0 भीमसेन शास्त्री (प्रथम भाग)
16. स्नातक संस्कृत व्याकरण – डॉ. नेमीचन्द शास्त्री
17. संस्कृत वाक्य विवेक – डॉ. हिन्द केसरी, अजमेरा बुक कम्पनी, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर।

Helpstudentpoint.com